27/12/2024

आकाशवाणी ईटानगर

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का कल रात नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। डॉ. सिंह पिछले कुछ महीनों से खराब स्वास्थ्य में थे। उनके परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं। डॉ. सिंह तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के अधीन वित्त मंत्री थे और बाद में डॉ. सिंह ने 2004 से 2014 तक भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

00000000000000000000

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कल सुबह 9.30 मिनट को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय से शमशान घाट तक जाएगी। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर आज राष्ट्रीय राजधानी स्थित उनके आवास पर जनता के अंतिम दर्शन के लिए रखा गया।

00000000000000000000

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि डॉ. सिंह उन दुर्लभ राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा और प्रशासन की दुनिया में समान सहजता से काम किया। अपने संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक के निधन पर शोक मना रहा है।

उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री बने। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक शोक संदेश में कहा कि 1990 के दशक की शुरुआत में वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारों में डॉ. मनमोहन सिंह के योगदान ने एक जीवंत और लचीले भारत की नींव रखी।

0000000000000000000

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटार्यड के. टी. परनाइक ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और राजनेता थे, और उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को उदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे राष्ट्र को महत्वपूर्ण आर्थिक विकास की ओर अग्रसर किया। अपनी विनम्रता, ईमानदारी और बौद्धिक प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले डॉ. सिंह का निधन भारतीय राजनीति में एक युग का अंत है, लेकिन राज्य अरुणाचल प्रदेश के लिए उनके योगदान, जैसे ट्रांस-अरुणाचल हाईवे, राज्य सचिवालय भवन, पारे और दिबांग बिजली परियोजनाएं और ईटानगर जलापूर्ति योजना एक स्थायी विरासत के रूप में बनी रहेगी।

0000000000000000000

इंडिजिनस फैथ एंड कल्चरल सोसायटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश-IFCSAP द्वारा अपने रजत जयंती समारोह का आयोजन ईटानगर में किया गया, जिसमें राज्य के स्वदेशी समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को देखा गया। गत गुरुवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम, मुख्यमंत्री पेमा खांडू और गृह मंत्री मामा नातुंग ने भाग लिया।

अपने संबोधन में, गणमान्य लोगों ने आदिवासी परंपराओं की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। राज्य भर से स्वदेशी समुदायों द्वारा अपने अनूठे रीति-रिवाजों, वेशभूषा और परंपराओं को प्रदर्शित किया गया, जिससे राज्य की विरासत का एक जीवंत चित्रण उजागर हुआ। रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पिछले 25 वर्षों में स्वदेशी आस्था और संस्कृति को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में IFCSAP की भूमिका के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए इसे अन्य राज्यों के लिए भी स्वदेशी पहचान को संरक्षित करने को एक सीख बताया।

0000000000000000000

मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य के लोगों से आह्वान किया कि वे अपनी स्वदेशी आस्था और संस्कृति को सच्ची भावना से संरक्षित करें। उन्होंने कहा अगर हम वास्तव में अपनी सदियों पुरानी प्रथाओं को संरक्षित करना चाहते हैं, तो स्वदेशी आस्था और संस्कृति के संरक्षण पर केवल व्याख्यान न देकर इसका पालन करना चाहिए। श्री खांडू ने कहा कि राज्य सरकार ने यहां के ट्रेडिशनल प्रीस्ट को सम्मानित करने की पहल की है और अब तक राज्य में 3033 पुजारियों को मासिक ऑनरेरियम भी प्रदान किया जा रहा है।

0000000000000000000

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने गुरुवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड के टी परनाईक के साथ राजभवन ईटानगर में एक बैठ्क की जिसमें केंद्रीय योजनाओं के तहत आवंटन से परे राज्य को दी गई अतिरिक्त सहायता के बारे में जानकारी साझा हुई। बैठक के दौरान श्री ओराम ने कहा कि केंद्रीय मंत्रालयों के सहयोग से राज्य में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, दूरसंचार और खेल सहित 17 मंत्रालयों को प्रायोजित किया ज रहा है। केंद्रीय मंत्री और राज्यपाल ने राज्य के आदिवासी समुदायों के लिए कल्याणकारी उपायों पर भी चर्चा की।

0000000000000000000

बुधवार को अपर सुबनसिरी जिले के दापोरिजो के पोलो कॉलोनी में हुई दो अलग-अलग आग दुर्घटनाओं में कुल 12 घर जलकर राख हो गए। इनमें से एक दुर्घटना दोपहर करीब 3:30 मिनट पर और दूसरी शाम 4:30 मिनट को हुई, जिससे कई संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है साथ ही आरसीसी इमारतों सहित कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

0000000000000000000